BIHAR YOGA

रिखियापीठ सत्संग

भाग 2

स्वामी सत्यानन्द सरस्वती

योग पब्लिकेशन्स ट्रस्ट, मुंगेर, बिहार, भारत

रिखियापीठ सत्संग

भाग 2

ॐ, प्रेम, मंगलम्

स्वामी निरंजन

SATYANANDA YOGA
BIHAR YOGA

श्री स्वामी सत्यानन्द सरस्वती झारखण्ड राज्य के अज्ञात-से गाँव, रिखिया में सन् 1989 में पधारे और यहाँ उन्होंने अपने आध्यात्मिक जीवन का एक नया अध्याय प्रारम्भ किया। गहन वैदिक तपस्याओं और साधनाओं को सम्पन्न कर उन्होंने भावी पीढ़ियों के लिए संन्यास परम्परा का एक उच्च आदर्श स्थापित किया। सन् 2007 में उन्होंने 'सेवा, प्रेम और दान' के आदर्श को व्यावहारिक रूप देने के उद्देश्य से रिखियापीठ की स्थापना की। 5 दिसम्बर, 2009 की मध्यरात्रि में वे यौगिक विधि से स्वेच्छानुसार महासमाधि में लीन हो गए।

यह पुस्तक श्री स्वामीजी द्वारा रिखियापीठ में सितम्बर 1997 में दिये गये सत्संगों का संकलन है, जिनमें उन्होंने दर्शन-शास्त्र, साधना, परोपकार, भक्ति, महिलाओं के उत्थान, बच्चों की शिक्षा, प्राचीन इतिहास, आधुनिक सामाजिक प्रणाली तथा अर्थव्यवस्था जैसे अनेक विषयों पर अपने मौलिक विचार व्यक्त किये हैं। जीवन में प्रकाश और ज्ञान खोजते सभी जिज्ञासुओं एवं साधकों के लिए उनके व्यावहारिक विचार एक नयी दिशा, ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करते हैं।

YOGA PUBLICATIONS TRUST

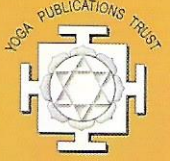

ISBN 978-93-81620-11-3
9 789381 620113